पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, श्री राम नाईक के 6 माह के कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर राजभवन में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में वितरित कार्यवृत्त का आलेख

दिनांक: 21 जनवरी, 2015

शपथ ग्रहण: महामहिम नहीं माननीय राज्यपाल

1. मैंनें 22 जुलाई, 2014 को उत्तर प्रदेश के राज्यपाल पद की शपथ ली थी। 22 जुलाई को ही अपनी पहली पत्रकार वार्ता में मैंनें यह अनुरोध किया कि मुझे 'महामहिम' राज्यपाल के स्थान पर 'माननीय' राज्यपाल तथा अंग्रेजी में 'His Excellency' के बदले 'Honourable' सम्बोधन से सम्बोधित किया जाय। इसकी पहल माननीय राष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी ने की थी। उसी प्रेस वार्ता में मैंनें कहा था कि मैं, केन्द्र और राज्य सरकार के बीच सेतु का काम करूंगा। उत्तर प्रदेश एक बड़ा प्रदेश है तथा यहां विकास की असीम संभावनाएं भी हैं। प्रदेश के विकास के लिए मैं, मुख्यमंत्री, श्री अखिलेश यादव से निरन्तर सम्पर्क में रहकर सलाह भी देता रहता हूँ, जोकि मेरा संवैधानिक दायित्व है। 8 अगस्त से 3 सितम्बर, 2014 तक राजस्थान के अतिरिक्त राज्यपाल पद का दायित्व भी मेरे पास था।

कार्यवृत्त: 'राजभवन में राम नाईक'

2. मैं जब सांसद था तो अपने सालभर का कार्यवृत्त जनता के बीच जारी करता था। यह प्रकाशन 'लोकसभा में राम नाईक' के नाम से प्रकाशित होता था। बाद में मैं सांसद नहीं था तो मेरा कार्यवृत्त 'लोकसेवा में राम नाईक' नाम से प्रकाशित होता था। इसी क्रम में जब राज्यपाल उत्तर प्रदेश के पद पर तीन माह का कार्यकाल पूर्ण हुआ तो 'राजभवन में राम नाईक' के नाम से कार्यवृत्त प्रकाशित किया गया।

प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता हेतु प्रयास

3. उत्तर प्रदेश के 24 विश्वविद्यालय/संस्थान का मैं कुलाधिपति/कुलाध्यक्ष हूँ। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढे इसके लिए मेरे स्तर से जो भी प्रयास किये जाने चाहिए वह मैं निरन्तर कर रहा हूँ। पदभार ग्रहण करने के बाद मैंनें राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से अलग-अलग भेंट कर विश्वविद्यालयों की प्रमुख गतिविधियों, महत्वपूर्ण उपलब्धियों तथा मुख्य समस्याओं की जानकारी ली। मैंनें उनसे विश्वविद्यालय से संबंधित प्रकरणों को दो वर्गों में, उत्तर प्रदेश शासन से संबंधित तथा कुलाधिपति सचिवालय से संबंधित, वर्गीकृत कर उपलब्ध कराने को कहा जिससे प्रकरणों के निस्तारण में गति लाई जा सके।

4. इसी क्रम में मैंनें विगत 5 जनवरी, 2015 को राजभवन में कुलपति-कुलसचिव की संयुक्त बैठक का आयोजन किया था, जिसमें उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा तथा कृषि शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में कुलपति, कुलसचिव एवं अन्य अधिकारियों के मध्य उचित सामंजस्य एवं समन्वय, शैक्षिक सत्रों का ससमय समापन, लोकतांत्रिक व्यवस्था के अन्तर्गत छात्र संघों का चुनाव, नैक एवं यथा सम्बन्धित संस्थाओं से विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन, परीक्षा प्रणाली एवं मूल्यांकन प्रक्रिया की समीक्षा, दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम में एकरूपता तथा गणवेश, विश्वविद्यालयों के आदेशों के विरूद्ध प्राप्त प्रत्यावेदनों के शीघ्र निस्तारण, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्राविधानानुसार कुलपतियों के कार्यकाल की अवधि आदि के संबंध में विचार-विमर्श हुआ।

5. बैठक में आगामी परीक्षाओं के दृष्टिगत छात्रसंघ चुनाव अगले सत्र के माह अगस्त में लिंगदोह कमेटी के अनुरूप कराने, विश्वविद्यालयों के मध्य स्वच्छ प्रतिस्पर्धा बढ़ाने हेतु ''चांसलर अवार्ड'' दिये जाने, नैक मूल्यांकन पूर्ण कराने, समय पर परीक्षा कराने और उसके परिणाम घोषित करने के संबंध में निर्णय लिये गये।

6. विश्वविद्यालयों के दीक्षान्त समारोह समय पर करने का निर्णय हमने किया। उसी दृष्टि से 21 विश्वविद्यालयों में दीक्षान्त समारोह आयोजित करना अपेक्षित है। अब तक 12 विश्वविद्यालयों में दीक्षान्त समारोह हुए हैं और बचे हुए 9 विश्वविद्यालयों के समारोह 28 फरवरी, 2015 तक संपन्न होंगे।

देश के वीर शहीदों को श्रद्धाजंलि

7. देश की रक्षा हेतु अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों के सम्मान में आयोजित होने वाले समारोह में भाग लेकर उन्हें अपनी श्रद्धाजंलि अर्पित कर मैंनें स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया। कारगिल में शहीद होने वाले वीर जवानों की स्मृति में 26 जुलाई को आयोजित होने वाले कारगिल दिवस तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध के वीर शहीदों के सम्मान में 16 दिसम्बर को आयोजित होने वाले विजय दिवस के अवसर पर मध्य कमान स्थित युद्ध स्मृतिका जाकर उन्हें श्रद्धाजंलि दी तथा याद किया। देश की रक्षा में शहीद हुए परमवीर चक्र से सम्मानित वीर योद्धाओं के लिए कुछ करने की इच्छा ने मध्य कमान स्मृतिका में प्रदेश के परमवीर चक्र से सम्मानित वीरों, नायक जदुनाथ सिंह, हवलदार अब्दुल हमीद तथा कैप्टन मनोज पाण्डेय के ब्रांस के भित्ति चित्र बनवाने की प्रेरणा दी और 22 दिसम्बर, 2014 को प्रदेश के परमवीर चक्र से सम्मानित वीरों के भित्ति चित्र का अनावरण कर उनके परिवारीजनों को सम्मानित किया गया।

8. 7 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर सेना अधिकारियों द्वारा फ्लैग पिन करवाने तथा शहीद सैनिक सम्मान एवं पुनर्मिलन समारोह में प्रतिभाग कर शहीदों के लिए कुछ करने के प्रेरणा जाग्रत होती है।

9. मैं 28 नवम्बर, 2014 को नेशलन डिफेंस एकेडमी, पुणे के दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुआ।

'अशोक चिन्ह' का दुरूपयोग

10. कुछ पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद-विधायक आदि महानुभावों द्वारा मुझसे पत्राचार में अपने निजी लेटर पैड व अन्य लेखन सामग्री पर राष्ट्रीय चिन्ह का नियम विरूद्ध प्रयोग किया जा रहा था। भारत के राज्य चिन्ह (India's State Emblem) 'अशोक चिन्ह' के अनाधिकृत प्रयोग को संज्ञान में लेते हुए 'भारत का राज्य संप्रतीक (प्रयोग का विनियम) अधिनियम 2005 एवं भारत का राज्य संप्रतीक (प्रयोग का विनियम) नियम 2007' के अंतर्गत अधिकृत व्यक्तियों, संस्थाओं व संगठनों आदि के अलावा अन्य महानुभावों द्वारा हो रहा दुरूपयोग रोकने की कोशिश की।

लोकायुक्त, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रेषित विशेष प्रतिवेदन

11. लोकायुक्त, उत्तर प्रदेश ने राज्य सरकार के पूर्व मंत्रियो, अधिकारियों व कर्मचारियों के विरूद्ध प्राप्त शिकायतों की जाँच करने के उपरान्त उन्हें भ्रष्टाचार व कदाचार का दोषी पाते हुए उत्तर प्रदेश लोकायुक्त तथा उप लोकायुक्त अधिनियम, 1975 की धारा 12(3) के अन्तर्गत विभिन्न तिथियों में मुख्यमंत्री अथवा मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन को अपनी जाँच रिपोर्ट पे्रेषित करके उनके विरूद्ध विभिन्न कार्यवाहियाॅं किये जाने की संस्तुति की थी और अधिनियम की धारा 12(4) की अपेक्षा के अनुसार कृत कार्यवाही से लोकायुक्त को तीन माह के अन्दर अवगत कराने की अपेक्षा की गयी थी।

12. नियमानुसार कार्यवाही न होने पर लोकायुक्त, उत्तर प्रदेश द्वारा मुझे 2014 से अब तक कुल 20 मामलों में विशेष प्रतिवेदन भेजे गये हैं। मैंने पत्र लिखकर मुख्यमंत्री से उनका व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन का स्पष्टीकरण ज्ञापन (Explanatory Memorandum) शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा ताकि उसे लोकायुक्त से प्राप्त विशेष प्रतिवेदनों के साथ अधिनियम की धारा 12(7) की अपेक्षानुसार राज्य विधान मंडल के प्रत्येक सदन के समक्ष प्रस्तुत कराया जा सके परन्तु इन 20 प्रकरणों में मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव ने अभी तक केवल 10 प्रकरणों में ही अपने स्पष्टीकरण ज्ञापन मुझे पे्रषित किये हैं जिन्हें मेरी प्रमुख सचिव द्वारा मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन को 13 नवम्बर, 2014 को राज्य विधान मण्डल के प्रत्येक सदन के समक्ष प्रस्तुत करवाये जाने के लिए पे्रषित कर दिया गया है ।

विधायकों की सदस्यता समाप्ति का प्रकरण

13. विधान सभा चुनाव 2012 में चुन कर आएं बहुजन समाज पार्टी के विधायक, श्री उमाशंकर सिंह तथा भारतीय जनता पार्टी के विधायक, श्री बजरंग बहादुर सिंह को सरकारी कांटे³क्ट लेने के आरोप में लोकायुक्त, श्री एन0के0 मेहरोत्रा ने दोषी घोषित करते हुए उनकी सदस्यता समाप्त करने की सिफारिश की थी। यह मामला जाँच के लिए लगभग 10 महिने निर्वाचन आयोग के पास लम्बित था। कई बार हमने स्मरण-पत्र भेजने के बाद 2 जनवरी, 2015 को इनकी सदस्यता समाप्त करने की संस्तुति निर्वाचन आयोग ने भेजी है। 16 जनवरी को दोनों सदस्यों की सुनवाई मैंनें की है। इसका अंतिम निर्णय कानूनी आधार पर मैं जनवरी समाप्त होने के पहले करूंगा।

महापुरूषों को श्रद्धांजलि

14. हमारे देश के महापुरूषों, विद्वानों एवं महान नेताओं से मैं सदैव प्रेरणा प्राप्त करता रहा हूँ। मैंनें, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि के अवसर पर लालबाग, लखनऊ स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसी क्रम में मैंनें महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, गोविन्द बल्लभ पंत, चैधरी चरण सिंह, डा॰ भीमराव अम्बेडकर, आचार्य नरेन्द्र देव और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धासुमन अर्पित किये।

कुष्ठ रूग्ण की सेवा

15. कुष्ठ रूग्णों की समस्याओं एवं पुनर्वास के संबंध में मैं सदैव प्रयासरत रहा हूँ। मैं इंटरनेशनल लेप्रोसी यूनियन, पुणे का अध्यक्ष भी था। उत्तर प्रदेश में आने के बाद मुझसे प्रदेश के कुष्ठ पीड़ितों का एक प्रतिनिधि मण्डल मिला। मैंनें इस संबंध में मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से वार्ता की तथा देश के प्रधानमंत्री श्री नरेद्र मोदी से अपनी भेंट के दौरान कुष्ठ पीड़ितों की समस्याओं के समाधान के लिए चर्चा भी की। स्वाधीनता दिवस समारोह तथा दीपावली के स्नेहमिलन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के साथ कुष्ठपीड़ितों को भी मैंनें बुलाया था।

कैंसर

16. मैं स्वयं बीस वर्ष पूर्व कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित रहा था। इसलिए मैं कैंसर के दर्द तथा परिवारजन के दुःख को बेहतर तरीके से समझ सकता हूँ। मैंनें एक कार्यक्रम में कैंसर पर विजय प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया तथा दो कैंसर डिटेक्शन मोबाइल वैन का लोकार्पण भी किया।

विभिन्न आयोजन एवं कार्यक्रम

17. छः माह के दीर्घ कालखंड में मैंनें प्रदेश तथा प्रदेश के बाहर कई कार्यक्रम किये। इस अवधि में मैं लखनऊ के बाहर विविध कार्यक्रमों के लिए लगभग 70 दिन गया जिसमें मुंबई-महाराष्ट्र में मैं मात्र 11 दिन ही गया। इसी कार्यकाल में लगभग 150 सार्वजनिक कार्यक्रमों में मैंनें उपस्थिति दर्ज की। साथ ही साथ मैंनें राजभवन में लगभग 3,000 लोगों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों तथा अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधिमंडल भी सम्मिलित हैं। इससे जनसंपर्क का भी एक अवसर मिला तथा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की अनेक प्रतिभाओं को सम्मानित करने का भी सुअवसर प्राप्त हुआ। मेरी यह कोशिश रही कि मीडिया से अच्छे संबंध बने रहें। यह प्रशंसा की बात है कि सामाजिक सरोकार के कार्यक्रम मीडिया द्वारा भी आयोजित किये गये जिसमें मुझे मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रदेश सरकार से समन्वय

18. प्रदेश सरकार से मेरे मुधर संबंध हैं। मेरा प्रयास रहा है कि मुख्यमंत्री से बराबर सम्पर्क बनाकर आवश्यक मुद्दों पर वार्ता होती रहें। मेरे पास विभिन्न प्रकार के प्रतिनिधिमण्डल व व्यक्तिगत रूप से तथा पत्राचार के माध्यम से लोग अपनी समस्याओं के संबंध में सम्पर्क करते हैं। मैं ऐसे पत्र मुख्यमंत्री या मुख्य सचिव को भेजता रहता हूँ। समय-समय पर सरकार द्वारा भेजे गये अध्यादेश और विधेयक को मैंनें परीक्षणोंपरान्त अपनी सहमति दी। अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिये जाने के संबंध में अध्यादेश पर मैंनें उसकी तात्कालिकता के औचित्य के बारे में मुख्यमंत्री अवगत को कराया तथा उसके स्पष्टीकरण की मांग की। इसी तरह डा॰ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के नाम परिवर्तन के संबंध में जब अध्यादेश आया तो मैने मुख्यमंत्री से वार्ता करके उसे तत्काल अपनी सहमति दे दी। एक और अध्यादेश का विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूंगा 'उत्तर प्रदेश गिरोहबन्द और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) (संशोधन) अध्यादेश, 2015'। इसके प्रख्यापित होने से कानून में कुछ ऐसे अपराध भी सम्मिलित कर लिये गये है जिनके करने वालों पर सामान्य अपराध की धाराओं के अतिरिक्त गिरोहबन्द अधिनियम के अन्तर्गत भी कार्यवाही की जा सकेगी।

19. प्रदेश सरकार द्वारा अनुमोदन हेतु अब तक कुल 9 अध्यादेश प्राप्त हुए जिनमें से 7 अध्यादेश प्राख्यापित हुए, एक अध्यादेश प्रदेश सरकार को वापस प्रेषित किया गया तथा एक अध्यादेश 'उत्तर प्रदेश चिकित्सा विश्वविद्यालय ग्रेटर नोयडा अध्यादेश, 2014' कतिपय संवैधानिक व विधिक बिन्दु विचारणीय होने के कारण अभी विचाराधीन है। इसी प्रकार प्रदेश सरकार से 10 विधेयक प्राप्त हुए जिनमें से 8 विधेयक पर मेरे द्वारा अनुमोदन दिया गया तथा 2 विधेयक संविधान के अनुच्छेद 207 के अन्तर्गत राज्य विधान मण्डल के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के लिए मेरे द्वारा अनुमोदित किये गये।

प्रदेश की कानून एवं व्यवस्था

20. पत्रकारों द्वारा प्रदेश की कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे पर पूछे जाने पर मैंनें अक्सर यह बात कहीं है कि जितनी अच्छी होनी चाहिए उतनी नहीं है, इसमें और सुधार की जरूरत है। इस बात को मैं ही नहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री मुलायम सिंह यादव और प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री अखिलेश यादव भी महसूस करते हैं।

प्रदेश में विद्युत संकट के समाधान का प्रयास

21. समस्याओं का समाधान करना एक तरह से मेरी प्रवृत्ति रही है। प्रदेश में भीषण विद्युत संकट है। आम जनता से जुड़ा हुआ यह मुद्दा समझकर मैंनें केन्द्र और राज्य सरकार के बीच मध्यस्थता करना उचित समझा। मैंनें इस संबंध में केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री, श्री पियूष गोयल से बात की और प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री अखिलेश यादव से भी बात की। प्रसन्नता है कि दोनों में वार्ता हुयी और विद्युत समस्या के समाधान का एक रास्ता साफ हुआ।

राम मंदिर वक्तव्य पर जनहित याचिका

22. अयोध्या के राम मंदिर के संबंध में मैंनें जो वक्तव्य दिया उसको लेकर 'सिटिजेन्स फाॅर डेमोक्रेसी संगठन' द्वारा मेरे विरोध में जनहित याचिका (पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन) इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दाखिल हुई थी जिसमें माँग की गयी थी कि मुझे राज्यपाल पद से हटाया जाय। यह न्यायालय के अधिकार के बाहर का मामला है ऐसा कह कर 12 जनवरी, 2015 को मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति डाॅ0 डी0वाय0 चन्द्रचूड की खंडपीठ द्वारा जनहित याचिका को खारिज किया गया।

राजभवन में कार्यक्रम

23. राजभवन में गणतंत्र दिवस समारोह, स्वतंत्रता दिवस समारोह तथा रोजा इफ्तार आयोजन की परम्परा रही है। मेरे आने के बाद मेरे लिए रोजा इफ्तार का आयोजन पहला कार्यक्रम था। इसी तरह मैंनें ईद के मौके पर ऐशबाग ईदगाह जाकर मुस्लिम समुदाय के लोगों से भेंट कर उन्हें बधाई दी। साथ ही साथ गणेशोत्सव, क्रिसमस, मकर संक्रांति के अवसर पर लखनऊ में कई संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। राजभवन में सभी पर्व बडे हर्षोल्लास के साथ आयोजित किये जाते हैं जिसमें गणमान्य नागरिक भी भेंट एवं बधाई हेतु आते हैं।

राजभवन में विशेष कार्यक्रम

24. स्वच्छ भारत अभियान' के तहत 2 अक्टूबर, 2014 को राजभवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मा0 अटल बिहारी वाजपेयी का प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल देश में सुशासन के लिये जाना जाता है। उनका जन्म दिन 25 दिसम्बर सुशासन दिवस के रूप में मनाये जाने का केन्द्र सरकार ने निर्णय लिया था। राजभवन में भी उक्त दिवस सुशासन दिवस के रूप में सउल्लास मनाया गया तथा राजभवन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्यों के निर्वहन हेतु प्रेरित किया गया। पिछले सप्ताह मैं दादा मियाँ की दरगाह पर चादरपोशी के लिए गया था

विशिष्ट अतिथियों संग राजभवन में भेंट

25. समय-समय पर लखनऊ आने वाले विभिन्न महानुभावों को मेरे द्वारा राजभवन में चाय पर आमंत्रित किया गया जिसमें पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न, डाॅ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम, केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री मनोहर पार्रिकर, केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल, श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, मध्य प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नरेश यादव, मिजोरम के राज्यपाल, डाॅ0 अजीज कुरैशी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुलायम

सिंह यादव, जनता दल (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शरद यादव, बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री मायावती, कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी आदि हैं।

'राष्ट्रीय श्रेष्ठता अवार्ड' सम्मान

26. 13 दिसम्बर, 2014 को मुंबई में साउथ इण्डियन एजूकेशन सोसायटी द्वारा एक कार्यक्रम में कांची कामकोटिपीठ के शंकराचार्य श्री जयेन्द्र सरस्वती द्वारा शंकराचार्य स्व0 श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती की स्मृति में 'जन नेतृत्व' के लिए दिये जाने वाले 'राष्ट्रीय श्रेष्ठता अवार्ड' से सम्मानित होना मेरे लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण था।

27. साउथ इण्डियन एजूकेशन सोसायटी द्वारा जन नेतृत्व में उत्कृष्ट योगदान के लिये यह अवार्ड दिया जाता रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व राष्ट्रपति, डा0 ए0पी0जे0 अबुल कलाम, पूर्व उपराष्ट्रपति, स्व0 श्री भैरो सिंह शेखावत, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष, श्री सोमनाथ चटर्जी, पूर्व राष्ट्रपति, स्व0 डा0 शंकर दयाल शर्मा व अन्य मान्यवरों को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिये यह सम्मान प्रदान किया गया है।

102वें इण्डियन साईन्स कांग्रेस का समापन

28. 7 जनवरी, 2015 को मुंबई में आयोजित 102वें इण्डियन साईन्स कांग्रेस के समापन समारोह को सम्बोधित करने का सम्मान मुझे प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सम्बोधित किया गया। मैंनें सम्बोधन में देश के वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी द्वारा देश को निर्धनता, अशिक्षा तथा बेरोजगारी से मुक्त कर विकास के पथ पर अग्रसर करने हेतु अपना योगदान करें।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस

29. उत्तर प्रदेश के नाम की घोषणा 24 जनवरी, 1950 को की गयी। यह दिवस मुंबई में उत्तर प्रदेश मूल के नागरिक 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस' के नाते लगभग 26 साल मनाते रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी यह दिवस मनाया जाय ऐसा सुझाव मैंनें मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव को दिया था। मुख्यमंत्री ने यह आयोजन करने में असमर्थता व्यक्त की है। सरकारी स्तर पर उत्तर प्रदेश दिवस विस्तृत पैमाने पर मनाया जाय इसके लिए भविष्य में मैं प्रयास करूंगा। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस मनाने का विचार मुझे अच्छा लगा, इसलिए उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर अभियान संस्था, मुंबई की ओर से 23 जनवरी को मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में तथा भारतीय नागरिक परिषद, लखनऊ द्वारा 24 जनवरी को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मैं सम्मिलित होऊंगा।

अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम

30. इसी कार्यावधि में कई आयोजनों में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ परन्तु कुछ प्रेरणास्पद कार्यक्रमों का उल्लेख करना आवश्यक समझता हूँ। 12 नवम्बर, 2014 को लखनऊ में मत्स्य संवर्धन से संबंधित कार्यक्रम। मैंनें जनप्रतिनिधि रहते हुए तटीय मछुवारों के विकास के लिये भी कार्य किया है। मेरे राज्यपाल बनने के बाद मुंबई के मछुवारा समुदाय द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया था। 3 दिसम्बर, 2014 को बाराबंकी में आयोजित कृषक तकनीकी हस्तान्तरण सम्मेलन में देशभर से आये प्रगतिशील विचारों वाले कृषकों द्वारा अपने अनुभवों को किसानों से साझा करने का कार्यक्रम भी बहुत भाया। अभी विगत

16 जनवरी को मैंनें तेल एंव गैस संरक्षण पखवाड़ा 2015 का उद्घाटन किया। चूंकि मैं पूर्व में पेट्रोलियम मंत्रालय का कार्य देख चुका हूँ अतः मैं तेल की सीमित उपलब्धता तथा उपयोग हेतु आयात में होने वाले खर्च को अच्छी तरह समझता हूँ। इस दृष्टि से तेल एंव गैस संरक्षण पखवाड़ा 2015 से जनता में जागरूकता आयेगी तथा अपव्यय रूकेगा, ऐसा मेरा मानना है।

विशेष: छः महिने की इस कालावधि में राजभवन के अधिकारीगण तथा कर्मचारियों का सहयोग रहा। पत्रकार मित्रों ने भी वार्तांकन गुणवत्तापूर्ण किया। सब को हृदय से धन्यवाद।

पत्रकार सम्मेलन
राज्यपाल श्री राम नाईक
21 जनवरी, 2015